सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा विकसित दो स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के नो-हाउ लाइसेंसिंग समारोह का आयोजन

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में दिनांक 12 जून, 2026 को संस्थान के नव-निर्मित सम्मेलन कक्ष में दो स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान समारोह (Technology Know-How Licensing ceremony) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों, नामत: (1) **मिल्क मैस्टाइटिस डिटेक्शन सिस्टम** (Milk Mastitis Detection System) तथा (2) **कस्टमाइज्ड आरएफ ट्यूब सीलर प्रोटोटाइप** (Customized RF Tube Sealer Prototype) संबंधी तकनीकी जानकारी के हस्तांतरण से संबंधित दस्तावेजों का आदान-प्रदान उद्योग प्रतिनिधियों एवं संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मेसर्स नवशाली इनोवेशंस प्रा. लि. के प्रतिनिधियों से हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

मिल्क मैस्टाइटिस डिटेक्शन सिस्टम की तकनीकी जानकारी का हस्तांतरण राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के माध्यम से **मेसर्स नवशाली इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा** को किया गया। कस्टमाइज्ड आरएफ ट्यूब सीलर प्रोटोटाइप की तकनीकी जानकारी **मैसर्स रेमी इलेक्ट्रॉटेक्नीक प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई** को हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के व्यावसायिक उपयोग एवं व्यापक प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मैसर्स रेमी इलेक्ट्रॉटेक्नीक प्रा. लि. के प्रतिनिधियों से हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों से चर्चा करते हुए डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम के दौरान **डॉ. पी. सी. पंचारिया,** निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने कहा कि संस्थान की वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपलब्धियों का उद्देश्य केवल नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास करना ही नहीं, बल्कि उन्हें उद्योगों तक पहुंचाकर समाज एवं राष्ट्र को प्रत्यक्ष लाभान्वित करना भी है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की यह प्रक्रिया 'प्रयोगशाला से बाजार' (Lab to Market) की अवधारणा को साकार करने के साथ-साथ **आत्मनिर्भर भारत** एवं **मेक इन इंडिया** अभियानों को गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने यह भी कहा कि सीएसआईआर-सीरी, पिलानी देश की सामरिक,

औद्योगिक, स्वास्थ्य एवं कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास एवं उनके औद्योगिक व्यावसायीकरण के लिए सतत रूप से कार्य कर रहा है।

मिल्क मैस्टाइटिस डिटेक्शन सिस्टम की जानकारी देते हुए
डॉ नवजोत कुमार, वैज्ञानिक-ई

मिल्क मैस्टाइटिस डिटेक्शन सिस्टम

यह एक पोर्टेबल एवं त्वरित जांच उपकरण है, जिसे दुधारू पशुओं में होने वाले मैस्टाइटिस संक्रमण, जो ग्रामीण क्षेत्रों में थनैला रोग के नाम से प्रचलित है, की प्रारंभिक पहचान के लिए विकसित किया गया है। यह प्रणाली इलेक्ट्रोकैमिकल सेंसिंग तकनीक से दूध के नमूने का विश्लेषण कर लगभग 20 सेकंड में परिणाम प्रदान करती है तथा नमूने को स्वस्थ (ठीक), संदिग्ध अथवा मैस्टाइटिस पॉजिटिव श्रेणियों में वर्गीकृत करने में सक्षम है। इस प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशुपालक समय रहते रोग की पहचान कर उचित उपचार सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा, दूध की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा पशुपालकों के साथ-साथ डेयरी उद्योग को इस रोग के कारण होने वाली आर्थिक हानि में कमी आएगी। यह तकनीक डेयरी क्षेत्र में वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

कस्टमाइज्ड आरएफ ट्यूब सीलर

कस्टमाइज्ड आरएफ ट्यूब सीलर चिकित्सा उपकरण निर्माण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्वदेशी उपलब्धि है। यह उपकरण रक्त बैंक एवं स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग होने वाली रक्त बैग तथा अन्य चिकित्सा ट्यूबों की सुरक्षित एवं संक्रमण-मुक्त सीलिंग के लिए विकसित किया गया है। इसकी विशेषता यह है कि सीलिंग प्रक्रिया के दौरान बाहरी संपर्क न होने के कारण संक्रमण की संभावना अत्यंत कम हो जाती है। यह प्रौद्योगिकी चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में देश की आयात निर्भरता को कम करने तथा स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके व्यवसायीकरण से देश में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक उपकरणों के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा चिकित्सा उपकरण निर्माण क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता और सुदृढ़ होगी।

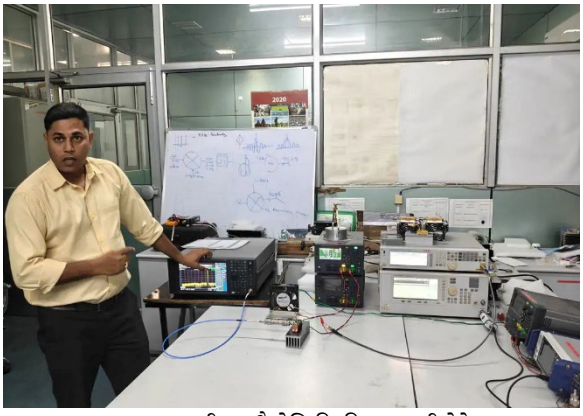

आरएफ ट्यूब सीलर प्रौद्योगिकी की जानकारी देते हुए
डॉ आशीष कुमार सिंह, वैज्ञानिक-ई

नो-हाउ लाइसेंसिंग के माध्यम से इन दोनों प्रौद्योगिकियों के औद्योगिक व्यावसायीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे इनका व्यापक स्तर पर उत्पादन एवं उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। यह उपलब्धि सीएसआईआर-सीरी, पिलानी की अनुसंधान एवं नवाचार क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है तथा विज्ञान, उद्योग और समाज के मध्य सुदृढ़ समन्वय को भी परिलक्षित करती है। साथ ही, यह संस्थान द्वारा **"आत्मनिर्भर भारत"** एवं **"मेक इन इंडिया"** जैसे राष्ट्रीय अभियानों को साकार करने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का भी सशक्त प्रमाण है। समारोह में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों सहित मीडिया के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की तथा इस अवसर को देश में स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।